Dr. Sunil Kr. 'Suman'
Assistant Professor (Guest)
Dept. of Psychology
L.N.M.U. Darbhanga

Study Material
B.A. Part-I (Gen./Sub.)
Date:- 30-07-2020

Remembering and Forgetting:- causes of Forgetting

एबिंगहॉस के अनुसार विस्मरण एक निश्चित मानसिक प्रक्रिया है। क्योंकि जैसे जैसे समय बितता है वैसे वैसे निष्क्रिय रूप से मस्तिष्क में बने स्मृति चिन्ह कमजोर होते हैं और विस्मरण की मात्रा बढ़ती जाती है। जबकी आधुनिक के मनोवैज्ञानिक जैसे जेनकिंस तथा डैलेनबेक, मूलर तथा पिल्जेकर और मेल्टन तथा इरविन के अनुसार विस्मरण एक सक्रिय मानसिक प्रक्रिया है क्योंकि व्यक्ति बीते हुये समय के अन्तराल में कोई नया पाठ सीखता है जिससे पहले पाठ के स्मृति चिन्ह कमजोर पर जाते हैं और विस्मरण होता है। अर्थात बीते हुए समय में जब व्यक्ति सक्रिय होकर किसी पाठ को सीखता है तब इस विस्मरण होता है।

विस्मरण के कारण (Causes of Forgetting):-

विस्मरण के अनेक कारण होते हैं जैसे सीखे जाने वाले विषय का स्वरूप कैसा है. अगर वह निरर्थक, अस्पष्ट, विषय की लंबाई कम है तथा सीखने में गलत विधियों का प्रयोग हुआ है तो विस्मरण तेजी से होता है।

इसके अतिरिक्त विस्मरण धारण अवधि (Retention Interval) में होने वाले कारकों से भी सम्बन्धित है। यह कारक इस प्रकार है।

(i) पृष्ठोन्मुख अवरोध (Retroactive Inhibition

म्यूलर तथा पिल्जेकर ने सर्वप्रथम इस प्रत्यय का अध्ययन किया और इन्हीं ने इसे पृष्ठोन्मुख अवरोध कहा। इनके अनुसार जब एक कार्य का अधिगम करने के बाद दूसरे कार्य का अधिगम करने के बाद दूसरे कार्य का अधिगम पहले कार्य का अधिगम में बाधा उत्पन्न करे तो इस प्रकार के अवरोध को पृष्ठोन्मुख अवरोध कहते हैं।

(ii) अग्रोन्मुख अवरोध (proactive - inhibition):

जब पहले किए गया कार्य का अधिगम वर्तमान में किए जाने वाले कार्य के अधिगम में बाधा उत्पन्न करता है तो इसे अग्रोन्मुखी अवरोध कहते हैं। धारण अवरोध में होने वाले कमी के अतिरिक्त विस्मरण पाठ सीखने वाले व्यक्ति के स्वास्थ्य, मानसिक वृत्ति, सांवेगिक स्थिति, अभिप्रेरणा इत्यादि से भी प्रभावित होता है।

Scanned with CamScanner